पाठ ३६

1. जब मोसा सिनाइ पहाडमे उपर परमेश्वरसंगे बात करत रनी त निचे इस्रेलीसब कथी करत रनी ?
   - इसेरेलीसब सुनके गाइ बनाके ओकर पूजा करतरनी ।

2. का परमेश्वरके इस्रेलीसब सुनके गाइके पूजा करेवाला बात थाहा रहे ?
   - हां ।

3. का परमेश्वर इस्रेलीसबसे ना निमन भेगेल ?
   - परमेश्वर इस्रेलीसब संगे बहुत ना निमन भेगेलरनी ।
   - परमेश्वर इस्रेलीसबसंगे बहुत नानिमन भेगेल कि वहां ओकुनीसबके सर्वनाश करेके चाहनी ।

4. परमेश्वर काहे सब इस्रेलीसबके विनाश ना कइल ?
   - काहेकि मोसा परमेश्वर संगे ओकुनीसबके विनाश ना कइल कहके बिन्ती कइल

5. मोसा जब सिनाइ पहाडके निगे गइल तब ऊ कथी कइल ?

   - मोसा इस्रेलीसबसंगे बहुत ना निमल भेगेल वइसने ऊ परमेश्वर दिएवाला आज्ञा लिखेला दुगो पथलके पाटी फ्यांकदेल ।

6. का इस्रेलीसब परमेश्वर कहलेजइसने पाल ना बनावेला त कथी परमेश्वरके महिमा पालमे भरेला ?

   - ना ।

7. का इस्रेलीसब परमेश्वरके ओकुनीसबके अपन तरिकासे भेटतरनी ?

   - ना ।

8. इस्रेलीसबके परमेश्वरतक जाएवाला सिर्फ एक रास्ता कथी रहे ?

   - परमेश्वरके

9. परमेश्वरके रास्ता हमनी कइसन थाहा पाएके सकेनी ?

   - परमेश्वरके पुस्तक बाइबलद्वारा ।

- परमेश्वर मोसाके मिश्रीसबके दासत्वसे इस्रेलीसबके मुक्त करेलाके बिनेनी ।

- मोसा परमेश्वरके दूत भि रहे ।

- जब परमेश्वर इस्रेलीसबसंगे बात करेके चाहनी त वहां मोसासंगे बात करेनी आ मोसा ऊ बात इस्रेलीसबके कहेला ।

- परमेश्वर मोसाके वहां इस्रेलीसबके कहके चाहेला बात कहके निर्देशन दिएला ।

- परमेश्वर मोसाके वहां लिखावेके चाहेला बात भी लिखावेला ।

- परमेश्वरके पुस्तकके पहिल पांचगो पुस्तकके लेखक मोसा बा ।

1. का लिखेके परैला कहके मोसाके कइसन थाहा भेल ?
    - ओकर का लिखेके परी कहके परमेश्वर मोसाके निर्देशन दिहन ।

- इस्रेलीसब मीश्र छोढकर मरुभूमिके रास्ता हवेके यात्रा करत रनी ।

2. जब ओकुनीसब मरुभूमिके रास्तासे यात्रा करतरनी त ओकुनीसबके रास्ता कइसन थाहा भेल ?
   - परमेश्वर ओकुनीसबके अगुवाइ कइल ।

आवलजावो प्रस्थान ४०:३६-३८ पद पढलजाइ । जब बादर पवित्र पालमेसे उपर जाइल इस्रेलीसब यात्रा सुरु करतरनी । लेकिन जब बादर पवित्र पालमेसे ना उठल त आदमीसब ना हिडलक । ओकुनीसब बादर उपर ना जनाइतबतक एकेगो जगामे बैठलरहतरनी । वइसने दिनमे पवित्र पालके उपर परमप्रभु बादरके उपर रहतरनी आ रातमे बादरमे आग दिखेला । वइसने जब यात्रा करत त सब इस्रेलीस बादर दिखेके सकेला ।

- जब परमेश्वर इस्रेलीसब रुकेके चाहेला त बादर रुकेला ।

- जब परमेश्वर इस्रेलीसब आगे जाएके चाहेला त बादर चलेला ।
- परमेश्वर इस्रेलीसबके दश आज्ञा दिएलाके बाद आ ओकुनीसब परमेश्वरके निमित्त पाल बनाएलाके बाद परमेश्वर बादर उपर लेनी ।

3. परमेश्वर इस्रेलीसबके केने अगुवाइ करत रनी ?
   - परमेश्वर इस्रेलीसबके कनानके ओरि अगुवाइ करत रनी ऊ इहे भुमि रहे जउन भूमि दिएला कहके परमेश्वर ओकुनीसबके पुर्खा अब्राहामसंगे प्रतिज्ञा कइल ।
   - इस्रेलीसब बादर पछ्वेला आ परमेश्वर ओकुनीसबके कनाके सीमानओरि अगुवाइ करतनी ।

4. जब इस्रेलीसब कनानके सीमानामे आइल त परमेश्वर मोसाके कथी करेके कहलन ?

आवलजावो गन्ती १३:१-२ पद पढलजाइ ।

परमप्भु मोसासे कहलक तनी आदमीसबके कनानके देशके जासुर करेके भेजदेवल । ऊही भूमि हम इस्रेली आदमीसबके दिएवाला रहे । बाह्र कुल समूहसबमे हर कुलसमूहके एकगो नायक भेजल ।

- परमेश्वर मोसाके बाह्र कुलसे एकएक बिनके ऊ देशके भेद लीउके निमित्त भेजल ।
- मोसा परमेश्वर कहले जइसने बाह्र आदमीके कनान देदशके भेद लिएके पठाइल ।

आवलजावो गन्ती १३:३ पद पढलजाइ ।

यिहे कारण मोसा परमप्रभुके आज्ञा पालन कइल । परान मरुभूमिमे मानिससब छाउनी बनाके बैठलरहे समयमे मोसा यी नायकसब भेजल ।

5. बाह्र जना आदमीसब कनान देशके भेद लिएके भेजेके पहिल मोसा ओकुनीसबके कथी कहलक ?

आवलजावो गन्ती १३:१७-२१ पद पढलजाइ ।

यद्यपि ओकुनीसब के कनान देशके जासुस करेके निमित्त भेजल त मोसा कहलक तुमनीसब पहाडओरि

चलल । आ दखो भूमि कइसल दिखेला । वहां रहेवाला आदमीसब कइसन रहे । आदमीसब ज्यादा आ कम्ति कइसन रहे । जग्गा असल या खराब कइसन रहे सब बुझल । कइसन शहरमे ऊ सब बैठल ऊ लोग अच्छा या खराब कइसन रहे । शहरसब सुरक्षित रहे या ना रहे । ऊ लोग खुला जगामे रहेला या किल्लाके अन्दर देखो । जनिमन आवाद रहे या सुखा गाछीसब रहे या नारहे । ऊ भूमिमेसे फल ल्याएके कोसिस करो ।(ऊ समयमे दाखके पहिल बाली कटनीके समय रहे)

यिहे कारणस ओकुनीसब सिनाइके मरुभुमिमे से रहोबसे लेबो हमातओरि चढल आ ऊ भूमिके जाँच कइल ।

- चालिसवाँ दिनके अन्तमे ऊ बाह्र जने आदमीसब कनानके भूमिके भेल लिएके वापस आइल ।
- वापिस आएलाके बाद ऊ १२ जने आदमी कनाके बारकेके कथी कहलक कहेवाला बात यीहा लिखेला ।

आवलजावो गन्ती १३:२७-२९ पद पढलजाइ ।

ओकुनीसब मोसाके कहलक हमनी अपने भेजेवाला भूमिमे गइल । ऊ भूमि दूध आ मह बहेवाला भूरहेला । आ ऊ भूमिसे हमनी ल्याएला फल यिहे रहे । जउन आदमीसब ऊ भूमिमे रहेला ऊ सब बहुत बलिया रहेल । शहर बहुत बिशाल आ पर्खालसे घिरेरहल । वहा हमनी अनाकके सन्तान आ अनाकीसबके दिखलक । नेगेव भूमिमे अमालेकीसब बसोबास करेला त पहाडी भूमिमे हित्ती यबूसी आ एमोरीसब आ समुद्रके किना र यर्दन नदीके किनारमे कनानीसब बसोबार करला ।

- कानान दूध आ मह बगेवाला देश रहे ।
- यी भूमि उचा आ बलिया आदमी रहेवाला देश भि रहे ।
- कनान देशके शहरसब बलिया रहे आ ऊ शहरमे उचा पर्खाल रहे ।
- कना देशके भेद लिएके गएवाला १२ मे से दश आदमी परमेश्वरमे विश्वास ना कैलक ।

6. दश आदमीसब जउन परमर्शवरमे विश्वास ना कइलक ऊ इस्रेलीसबके कथी कहलक ?

आउनुस् गन्ती १३:३१-३३ पद पढलजाइ ।

लेकिन आदमीसब कहलक ओकुनीसब के उपर हमला करेके हमनी सक्षम नइखे । काहेकि ऊ सब हमनीसे बलिया रहे । वइसने ओकुनिसब ऊ भूमिके बारेमे निराश लागेवाला समाचार ल्याइलरहे । औकुनीसब कहलक ऊ भूमिमे बहुत बलिया आदमीसब रहेला आ ऊ भूमिमे जाएवाला कउनो भि आदमीके ऊ पराजित करदेलक । हमनी वहां नपीलीसब अनाकके सन्तान दिखलक आ ओकुनीसबके आगे हमनी त किट जैसने ह ।

7. परमेश्वरमे विश्वास ना रहेवाला १० आदमीसब काहे कनानमे प्रवेश करेके नइखे चाही ?
   - ऊ दश आदमीसब कनानमे रहेवाला उचा आ बलिया आदमीसब दखेके डरागेल ।

- ऊ दश आदमीसबके परमेश्वर कनानके आदमीसबके पराजित करेके सकिहन कहके विश्वास नइखे ।
- वइसहे ऊ दश आदमीसब इस्रेलीसबके कनानमे ना जाइल कहलक ।
- बाह्र मे से दुगो परमेश्वरमे विश्वास कइलक ।
- ओकुनसबके नाम कालेब आ यहोशू रहे ।

8. कालेब आ यहोसु इस्रेलीसबके कथी कहलक ?

आवलजावो गन्ती १३:३० पद पढलजाइ ।

ओकराके बाद कालेब मोसाके आदमीसबके शान्त पारके कहलक हमनी वहां तुरन्त जाएके परी आ ओकर लिउक परी काहेकि निश्चय भी ऊ जगाके उपर हमनी विजय करेवाला रहे ।

9. कालेब आ यहोसु काहे कनान जाएके चाहतरनी ?
   - कालेब आ यहोसू कनानमे बसोबास करेवाला उचा आ बलिया आदमीसब देखके ना डराइल ।

- कालबे आ यहोसु परमेश्वर कनानके आदमीसबके पराजित करेला कहके विश्वास कइल ।
- कालेब आ यहोसु इस्रेलीसबके ओकुनीसब परमेश्वरके आज्ञा मानेके परि आ कनानमे चढाइ करेके प री कहलक ।

10. का इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना करेवाला ऊ १० लोगके बात सुनलक या परमेश्वरमे विश्वास करेवाला कालेब आ यहोसूके बात सुनलक ?

आवलजावो गन्ती १४:१-४ पद पढलजाइ ।

सब आदमीसब पालमे जाके रातभर रोएला । इस्रेलके सब आदमीसब मोसा आ हारुनके विरुद्‌धमे गनगन करेला । सब आदमीसब कहलक अगर हमनी मिश्रमे हि या इहे मरुभूमिमे मरे त अछा होवेवाला रहे काहे परमप्रभु हमनीके लडाइँके तरवारसे मारके निमित्त ऊ भूमिमे लजाएके सोचिहन । हमर बालबच्चास भी लुटमे परेवाला रहे । हमनीके मिश्र देशमे ही वापिस जाएके अच्छा होवेला ।

ओकुनीसब एकदोसरसे कहलक एकगो अगुवा चनुकर मिश्रदेश वापस जाइल ।

- इस्रेलीसब ऊ दश आदमीके बात जउनो परमेश्वरमे विश्वास ना कइल आ ओकुनीसब कनान देशमे जाएके ना चाहत ।
- कालेब आ यहोशू एकबार फेनु इस्रेलीसबके अइसन कहलक ।

आवलजाव गन्ती १४:६-९ पद पढलजाइ ।

नुनके बेटा यहोसु आ यपुन्नेके बेटा कालेब भूमिके जांच करेके जाएवालामेसे दुगो रहे । ओकुनीसब अपन कपडा च्यातलक काहेकि आदमीसब गनगन करेलाकेमे ऊ दुखी भेगेल । यहोशु आ कालेब इस्रायलके सब समुदायके कहलक यी भूमि जिसके हमनी जांच कइल ऊ बहुत अच्चछ भूमि रहे । अगर परमप्रभु हमनिसंगे निमन ह त वहां हमनीके ऊ भूमिमे पुऱ्याएला आ ऊ दूध आ सेहद बगेवाला भूमि हमनीके दिएला । इहे कारण परमप्रभुके विरुद्धमे विलाप ना करो । ऊ भूमिमे रहेवाला

आदमीसबे ना डराइल । हमनी ओकुनीसबके जितेला । ओकुनीसबके सुरक्षा ओकुनीसबसे हरण भइल । लेकिन हमनीके संगे परमप्रभु बारण ओकुनीसबके ना डराइल ।

- कालेब आ यहोसु इस्रेलीसबके परमेश्वरके आज्ञा उलंघन ना कइल कहके बिन्ती कइल ।
- कालेब आ यहोसु इस्रेलीसबके परमेश्वर कनानीसबके पराजित करेके सक्षम रहेला कहके सम्झाइल ।

11. का इस्रेलीसब कनानके भूमिमे लडाइँ करेके सहमत भेल ?

आवलजावो गन्ती १४:१० क पद पढलजाइ ।

लेकिन वहां रहेवाला सब आदमीसब यहोशू आ कालेबके पथलसे मारेके मत कइलक ।

-इस्रेलीसब अभिन भि कनान जाएके ना चाहतरनी ।

- इस्रेलीसब अभिन पनि परमेश्वरके आज्ञा पालन करेके ना चाहतरनी ।

- इसरेलीसब कालब यहोसु आ मोसाके पथलसे मारकेके चाहतरनी ।

12. का परमेश्वर इस्रेलीसब कथी कहलन ऊ थाहा रहे ?
    - थाहा रहे ।
13. इस्रेलीसब कनानम जाएके नइखे चाही कहके परमेश्वरके थाहा रहे ?
    - थाहा रहे ।

14. का परमेश्वरके इस्रेलीसब परमेश्वर कनानीसबके पराजित करके सक्षम बारन कहके विश्वासन ना कइलक कहके थाहा रहे ?
    - थाहा रहे ।

15. का परमेश्वरके इस्रेलीसब वहां ओकुनीसबके कनानके भूमि वापस दिएला कहके कइल प्रतिज्ञाम विश्वास ना करेला कहके थाहा रहे ?
    - थाहा रहे ।
    - कनानके भूमि वापिस दिएला कहके वहां कइलक प्रतिज्ञामे इस्रेलीसब विश्वास ना करेला कहके परमेश्वरके थाहा रहे ।

16. हमनी परमेश्वरमे विश्वास ना कइलक त हमनी परमेश्वरके कथी कहतरनी ?

- एक झूठ व्यक्ति ।
- इस्रेलीसब परमेश्वरके सन्देशमे विश्वास ना कइलक ।
- इस्रेलीसब परमेश्वरके एक झूठ व्यक्ति कहतरनी ।
- इहां परमेश्वर कथी कहलक कहके लिखतरी ।

आवलजावो गन्ती १४:२६-३२ पद पढलजाइ । परमप्रभु मोसा आ हारुनके कहलक हमर विरुद्धमे यी दुष्ट आदमीसब कहियोतक उजुर करेला । इस्रेलके आदमीसब हमर विरुद्धमे लगाएवाला उजुर हम सुनेम । ओकुनीसबके कहो जइसन हम जिवीत ह परमप्रभु कहलक तुमनीसब परमप्रभुके विरोधमे जेतना कहलक ऊ सब पूरा करेवाला रहे । तुमनीसबके हम जथी करेला ए एही ह कि तुमनीसबके हर व्यक्ति जउन वीस वरष आ उसके उपरके ह आ हमर आदमी कहके गन्ती भइलरहे

ऊ इहे मरुभूमिमे मरेवाला रहे । तुमनीसब हम परमप्रभुके विरुद्धमे उजुर कइल त तुमनीसब मेसे ऊ भूमिमे जाएके पाएवाला नइखे । सिर्फ कालेब आ एहोसु ऊ भूमिमे जाएवाला रहे । तुमनीसब उजुर कइलक कि ऊ नया भूमीमे तुमनीसबके सत्रुसब तुमनीसबके बेटाबेटीसब लुटैवाला रहे । लेकिन हम तुमीनसके कहलक कि हम ऊ बच्चाबच्चीके लियावेलारहे आ ओकुनीसब ऊ भूमिमे ऊ चिजबिजके आनन्द लिएवाला रहे जउन तुमनीसब अस्वीकार कइलक । लेकिन ओकुनीसबके निमित् तुमिनीसब यही मरुभूमिमे मरेवाला रहे ।

17. काहेकि इस्रेलीसबके परमेश्वरमे विश्वास करेके अस्वीकार कइलक त कउनो सिर्फ कनानमे जाएवाला रहे ?
    - कालेब यहोसु आ इस्रेलीसबके बेटाबेटीसब ।

18. काहेकि इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना कइलक त परमेश्वर ओकुनीसबके कइसन सजाय देलक ?
    - ओकुनीसब कनान जाएके नइखे पाइल ।

- ओकुनीसब सब मरुभुमिमे ही मरेके परी ।
- वहांमे विश्वास ना करेवालासबके परमेश्वर जहियो मृत्युके दण्ड दिहन ।
- नूहके समयमे आदमीसब परमेशेवरमे विश्वास करेके अस्वीकार कइलक त परमेश्वर ओकुनीसबके मृत्युके दण्ड देलक ।
- सदोम आ गमोराके आदमीसब परमेश्वरमे विश्वास करेके अस्वीकार कइलक आ परमेश्वर ओकुनीसबके मृत्यके दण्ड देलक ।
- फारो आ मिश्रीसब परमेश्वरमे विश्वास करेके अस्वीकार कइलक आ परमेश्वर ओकुनीसबके मृत्युके दण्ड देलक ।
- जउन परमेश्वरमे विश्वास करेके अस्वीकार करेला ओकुनीसबके वहां अनन्त आगके दहके मृत्युके सजाय दिएला ।